पौष कृष्ण पक्ष

31 दिसम्बर 2020 से
13 जनवरी 2021 तक

ऋतु शिशिर
सूर्य
उत्तरायण

तिथि	दिनांक	सूर्योदय	सूर्यास्त
प्रतिपदा	31.12.20	7.18	17.30
अष्टमी	06.01.21	7.19	17.35
अमावस्या	13.01.21	7.18	17.41

तिथि	वार	नक्षत्र	दिनांक	चन्द्र संचार	व्रत पर्व त्योहार
प्रतिपदा	गुरू	पुनर्वसु	31.12.20	कर्क 13.35	सर्वार्थ सिद्धि योग 7.18 से 31.19 तक अमृत सिद्धि योग 19.48 से 31.19 तक
द्वितीया	शुक्र	पुष्य	01.01.21	कर्क	ईस्वीय सन् 2021 प्रारम्भ
तृतीया	शनि	आश्लेषा	02.01.21	सिंह 20.16	चतुर्थी व्रत (चन्द्रोदय 20.46)
चतुर्थी पंचमी	रवि	मघा	03.01.21	सिंह	पंचमी तिथि का क्षय
षष्ठी	सोम	पूर्वा फा.	04.01.21	कन्या 25.02	–
सप्तमी	मंगल	उत्तराफा.	05.01.21	कन्या	–
अष्टमी	बुध	हस्त	06.01.21	तुला 28.26	कालाष्टमी, अष्टका श्राद्ध, सर्वार्थ सिद्धि योग 7.19 से 17.08 तक
नवमी	गुरू	चित्रा	07.01.21	तुला	–
दशमी	शुक्र	स्वाती	08.01.21	तुला	पार्श्वनाथ व चन्द्रप्रभु जयंती (जैन)
एकादशी	शनि	विशाखा	09.01.21	वृश्चि. 6.56	सफलता एकादशी व्रत (सबका)
द्वादशी	रवि	अनुराधा	10.01.21	वृश्चिक	प्रदोष व्रत
त्रयोदशी	सोम	ज्येष्ठा	11.01.21	धनु 9.08	मास शिवरात्रि
चतुर्दशी	मगंल	मूल पूर्वा.	12.01.21	धनु	पितृ कार्य अमावस्या, विवेकानन्द जयंती
अमावस्या	बुध	उत्तराषाढ	13.01.21	म. 12.07	पौषी अमावस्या पुण्य, लोहड़ी पर्व

चौघड़िया मुहूर्त के सम्बन्ध में विशेष : चौघड़िया मुहूर्त के शुभ, चर, अमृत लाभ के चौघड़िया शुभ होते हैं और उद्वेग, रोग, काल के चौघड़िया अशुभ माने जाते हैं। जहाँ तक हो सके इनका त्याग करना चाहिए। दिनमान को (सूर्योदय से सूर्यास्त के समय को) 8 से भाग देने पर प्राप्त होने वाला समय दिन की चौघड़िया का समय (मान) होता है। इसी प्रकार रात्रिमान (सूर्यास्त से सूर्योदय के समय को) 8 से विभाजित करने पर रात्रि के एक चौघड़िया का समय (मान) होता है।

उद्वेग के सूर्य, चर के शुक्र, लाभ के बुध, अमृत के चन्द्र, काल के शनि, शुभ के गुरू और रोग के स्वामी मंगल है। अतः यात्रा में श्रेष्ठ चौघड़ियों में से किसी दिशा की यात्रा में इनके स्वामी का भी विचार कर लेना चाहिए और दिशाशूल में वर्जित दिशा की यात्रा उक्त चौघड़िया में नहीं करनी चाहिए।